(At this stage, hon. Members left the Chamber)

MR. CHAIRMAN: Now, Shri Mallikarjun Kharge.

MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Concern over delay in conducting the decennial census

विपक्ष के नेता (श्री मल्लिकार्जुन खरगे): सभापति जी, हमारे देश में हर दस साल में होने वाली जनगणना 1881 में शुरू की गई थी। तमाम आपातकालीन हालात, युद्ध और दूसरे संकट आए, लेकिन यह काम जारी रहा। 1931 की जनगणना 26 फरवरी, 1931 में शुरू होकर साल भर चली थी। ...(**व्यवधान**)... उसी दौरान जातिगत जनगणना भी हुई थी। इस जनगणना से पहले महात्मा गाँधी जी ने कहा था कि जैसे अपने शरीर की पड़ताल के लिए हमें पीरियोडिकली मेडिकल एग्ज़ामिनेशन कराना पड़ता है, उसी तरह जनगणना किसी राष्ट्र का सबसे महत्वपूर्ण परीक्षण होती है। महोदय, जनगणना बहुत महत्व का काम होता है और इस काम में काफी बड़ी तादाद में लोग लगते हैं। उन्हें पॉप्युलेशन के आंकड़े, employment, family structures, socio-economic conditions और अन्य कई key parameters की पड़ताल करनी होती है।

महोदय, दूसरे विश्व युद्ध के दौरान और 1971-72 में भारत-पाक युद्ध के बावजूद भी जनगणना हुई थी, लेकिन बहुत दुख की बात है कि इतिहास में पहली बार सरकार ने रिकॉर्ड देरी की है। महोदय, आप चाहें तो जनगणना के साथ जातिगत जनगणना भी संभव है, क्योंकि आप एससी/एसटी वर्ग के डेटा कलेक्ट करते हैं, इसलिए साथ ही अन्य जातियों के डेटा भी कलेक्ट कर सकते हैं, लेकिन जातिगत जनगणना और जनगणना, इन दोनों बिंदुओं पर यह सरकार मौन है। दुनिया के 81 परसेंट देशों ने इस बीच, कोरोना महामारी के बावजूद भी जनगणना का काम सक्सेसफुली पूरा कर लिया है, लेकिन भारत में जनगणना कब होगी, इसके बारे में साफ तौर पर कुछ नहीं कहा जा रहा है।

महोदय, इस साल बजट में केवल 575 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। इससे लगता है कि सरकार जनगणना कराने से बचना चाहती है। जनगणना में देरी होने के दूरगामी परिणाम निकलते हैं। तमाम बुनियादी आंकड़ों की गैर मौजूदगी में यह तुगलकी नीति बनती जाती है। Consumer Survey, National Family Health Survey, Periodic Labour Force Survey, National Food Security Act, National Social Assistance Programme सहित कई महत्वपूर्ण सर्वेक्षण और कल्याणकारी कार्यक्रम जनगणना के आंकड़ों पर निर्भर करते हैं। लंबी देरी के कारण लाखों नागरिक सरकारी कल्याणकरी योजनाओं की पहुंच से बाहर हो चुके हैं। नीति निर्माताओं के पास आम फैसला लेने के लिए भरोसेमंद डेटा उपलब्ध नहीं है। महोदय, लेटेस्ट और सटीक जानकारी के बिना आप कोई नया काम ठीक से नहीं कर सकते हैं, इसीलिए मैं सरकार से यह

निवेदन करता हूं कि जनगणना का काम तत्काल शुरू हो। मैं आपसे निवेदन करता हूं कि जनगणना और जातिगत जनगणना, इन दोनों कामों को जल्दी शुरू कराना चाहिए।

MR. CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri Mallikarjun Kharge : Shri R. Girirajan (Tamil Nadu), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shrimati Priyanka Chaturvedi (Maharashtra), Dr. John Brittas (Kerala), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Dr. Ashok Kumar Mittal (Punjab), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Shri Prakash Chik Baraik (West Bengal), Dr. V. Sivadasan (Kerala), Ms. Sushmita Dev (West Bengal), Shri Jose K. Mani (Kerala), Shri Haris Beeran (Kerala), Shri Anil Kumar Yadav Mandadi (Telangana), Shri Ashok Singh (Madhya Pradesh), Shri A. A. Rahim (Kerala), Shri Neeraj Dangi (Rajasthan), Shri Sandosh Kumar P (Kerala), Shrimati Rajani Ashokrao Patil (Maharashtra), Shri Pramod Tiwari (Rajasthan), Smt. Ranjeet Ranjan (Chhattisgarh), Smt. Phulo Devi Netam, (Chhattisgarh), Shri N.R. Elango (Tamil Nadu), Shri Chandrakant Handore, (Maharashtra), Shri P. Wilson (Tamil Nadu), Shrimati Sulata Deo (Odisha), Shri Sanjay Yadav (Bihar), Prof. Manoj Kumar Jha (Bihar), Smt. Jebi Mather Hisham (Kerala), Shri Sanjay Raut (Maharashtra), Shri M. Shanmugam (Tamil Nadu), Prof. Ram Gopal Yadav (Uttar Pradesh), Shri Prem Chand Gupta (Bihar), Shri Imran Pratapgarhi (Maharashtra) and Smt. Jaya Amitabh Bachchan (Uttar Pradesh).

MR. CHAIRMAN: Shri Sujeet Kumar.

Request regarding Unique Disability ID Certification Camps for Autistic Children and Young Adults

SHRI SUJEET KUMAR (Odisha): Sir, I thank you for giving me an opportunity to bring to the attention of the Government on an issue which, I am sure, will have the support of the entire House. ...(*Interruptions*)...

SHRI TIRUCHI SIVA (Tamil Nadu): Sir,...

MR. CHAIRMAN: Please, listen to him. ...(*Interruptions*)... I have noted your request. I will come back to you. Please, listen to him.

SHRI SUJEET KUMAR: Sir, the month of April is the Autism Awareness Month and the 2nd of April, that is, tomorrow, is the Autism Awareness Day. Autism incidence is